

Zaporizhzhia परमाणु ऊर्जा संयंत्र

चर्चा में क्यों ?

- ◆ अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के निदेशक के द्वारा Zaporizhzhia परमाणु ऊर्जा संयंत्र का दौरा किया गया।

Zaporizhzhia परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बारे में

- ◆ Zaporizhzhia यूक्रेन के दक्षिण-पूर्व में एक महत्वपूर्ण शहर है जो यूरोप में सबसे बड़ा परमाणु ऊर्जा संयंत्र है।
- ◆ यह परमाणु संयंत्र, नीपर नदी से लगभग 40 किमी. (25 मील) दूर है।
- ◆ Zaporizhzhia में परमाणु ऊर्जा संयंत्र में छह रिएक्टर हैं, जो एक साथ लगभग 5,700 मेगावाट बिजली का उत्पादन करते हैं। यूक्रेन में चार परमाणु ऊर्जा केंद्र हैं जिनमें 15 रिएक्टर हैं। परमाणु ऊर्जा, यूक्रेन की बिजली की लगभग आधी माँग को पूरा करती है।
- ◆ यूक्रेन एक गैर-परमाणु हथियार राज्य के रूप में परमाणु अप्रसार संधि का एक हस्ताक्षरकर्ता है। इसकी प्रत्येक परमाणु सुविधा IAEA सुरक्षा उपायों के तहत है। इसका मतलब है कि परमाणु सामग्री और ईंधन के हर बिट, यूरेनियम के हर किलोग्राम और प्लूटोनियम के हर ग्राम का हिसाब देना होगा और रिपोर्ट करना होगा।
- ◆ रूसी सेना ने मार्च, 2022 में संयंत्र पर हमला किया और इसे अपने नियंत्रण में ले लिया। किसी भी परमाणु जोखिम से बचने के लिए IAEA की एक घूर्णन टीम स्थायी रूप से संयंत्र पर आधारित है।



- ◆ IAEA, संयंत्र के चारों ओर एक सुरक्षा क्षेत्र की अनुमति देने के लिए प्रयासरत है, जो युद्ध की अग्रिम पंक्ति के बहुत करीब है। हाल की यात्रा इसी संबंध में हो रही है।

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी:

- ◆ संयुक्त राष्ट्र परिवार के अंतर्गत 1957 में दुनिया के "शांति के लिए परमाणु" संगठन के रूप में स्थापित की गयी थी।
- ◆ इसका मुख्यालय वियना में है तथा संयुक्त राष्ट्र महासभा और सुरक्षा परिषद दोनों को रिपोर्ट करता है।
- ◆ परमाणु प्रौद्योगिकियों के सुरक्षित और शांतिपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के लिए दुनिया भर में अपने सदस्य राज्यों और कई भागीदारों के साथ काम करती है।

रेह

चर्चा में क्यों ?

- ◆ नमक के दलदल पर्यावरण को स्थिर करने में एक बड़ी भूमिका निभाते रहे हैं। लेकिन इन जैव-उत्पादक पारिस्थितिक तंत्रों में से 90 प्रतिशत से अधिक जल्द ही सदी के अंत तक समुद्र के स्तर में वृद्धि का शिकार हो सकते हैं।

नमक दलदल क्या हैं?

- ◆ नमक दलदल, तटीय आर्द्रभूमि हैं जो ज्वार द्वारा लाए गए खारे पानी से भर जाती हैं।
- ◆ ये समुद्र तट के साथ इंटरटाइडल जोन में पाए जाते हैं, आमतौर पर संरक्षित क्षेत्रों जैसे कि नदमुख या खाड़ी में।
- ◆ यहाँ घास और अन्य लवणता-सहिष्णु पौधे, जैसे कि सेज, कॉर्डग्रास, रशेस और मैंग्रोव अधिक मात्रा में पाए जाते हैं।
- ◆ नमक दलदल दुनिया भर में, खासकर मध्य से उच्च अक्षांशों में पाए जाते हैं।

लाभ

- ◆ नमक के दलदल तरंग क्रिया को बफर करके और तलछट को रोककर तटरेखाओं को कटाव से भी बचाते हैं। ये वर्षा जल के प्रवाह को धीमा और अवशोषित करके बाढ़ को कम करते हैं और प्रवाह को फ़िल्टर करके और अतिरिक्त पोषक तत्वों को चयापचय करके पानी की गुणवत्ता की रक्षा करते हैं।
- ◆ पूरी दुनिया में मार्शेस 'तटीय निचोड़' का अनुभव करते हैं, जहाँ उनकी गतिविधियां समुद्र के स्तर में वृद्धि, मानवजनित गतिविधियों और भौगोलिक कारकों से बाधित होती हैं।
- ◆ नमक दलदल के लिए समुद्र का स्तर बढ़ना सबसे प्रमुख खतरा है।



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669

पैतृक अभिलेख

चर्चा में क्यों?

- ◆ हाल ही में इंडियन काउंसिल ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च (ICHR) ने वंशावली पुजारियों द्वारा रखे गए लोगों के पूर्वजों के रिकॉर्ड जारी करने की तैयारी की है।

प्रमुख बिंदु

- ◆ वंशावली पुजारी, जिन्हें पंडा कहा जाता है, वे 15 से 20 पीढ़ियों के परिवारों का रिकॉर्ड इकट्ठा कर रहे हैं, जिसमें उत्पत्ति का स्थान, नाम, जन्म, मृत्यु, मृत्यु का कारण, निवास स्थान, मंदिरों को दिए गए अनुदान, जाति और गोत्र शामिल हैं।
- ◆ वंशावली, वंश का अध्ययन है।
- ◆ कई हिंदू परिवार, परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु पर हरिद्वार या वाराणसी जैसे धार्मिक स्थानों की तीर्थ यात्रा करते हैं, जहाँ वे मृत्यु के साथ-साथ अन्य पारिवारिक घटनाओं को दर्ज करने के लिए अपने परिवार के पुजारी से भी मिलते हैं।
- ◆ ये अभिलेख पिछले अकालों, महामारियों, प्रवासन, लोगों की आवाजाही के साथ-साथ सामाजिक इतिहास को समझने के लिए एक समृद्ध स्रोत हो सकते हैं कि कबीलों और समुदायों को कैसे संगठित किया गया था।
- ◆ ICHR की योजना इन अभिलेखों को शोधकर्ताओं, विद्वानों और इतिहासकारों को उपलब्ध कराने में मदद करने की है।

भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद

- ◆ भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संगठन है।
- ◆ यह 1972 में शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया था।
- ◆ ICHR को भारत में साहित्यिक, वैज्ञानिक और धर्मार्थ समितियों के पंजीकरण के लिए एक अधिनियम, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम (1860 का अधिनियम xxi) के तहत पंजीकृत किया गया था।
- ◆ भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद का प्राथमिक उद्देश्य ऐतिहासिक अनुसंधान को बढ़ावा देना और दिशा देना तथा इतिहास के उद्देश्यपूर्ण एवं वैज्ञानिक लेखन को प्रोत्साहित करना और बढ़ावा देना है।
- ◆ यह कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और पंजीकृत अनुसंधान संगठनों में युवा शिक्षकों को फेलोशिप और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- ◆ यह एक द्विवार्षिक जर्नल - द इंडियन हिस्टोरिकल रिव्यू, और एक अन्य पत्रिका 'इतिहास' हिंदी में प्रकाशित करता है।



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669

इसरो का EOS-06

चर्चा में क्यों?

- ◆ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने EOS-06 उपग्रह द्वारा ली गई पृथ्वी की तस्वीरें जारी की हैं।

प्रमुख बिंदु

- ◆ छवियां इसरो के राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर (NRSC) द्वारा बनायी जाती हैं। इसरो ने EOS-06 बोर्ड पर ओशन कलर मॉनिटर (OCM) पेलोड द्वारा कैप्चर की गई छवियों से एक वैश्विक फाल्स कलर कंपोजिट मोज़ेक तैयार किया है।
- ◆ फरवरी 1 और 15 के दौरान पृथ्वी को दिखाने के लिए 300 जीबी डेटा को संसाधित करने के बाद, 2939 अलग-अलग छवियों के संयोजन से 1 किमी. स्थानिक संकल्प के साथ मोज़ेक उत्पन्न होता है।

EOS-06 उपग्रह

- ◆ ओशनसैट श्रृंखला में EOS-06 तीसरी पीढ़ी के उपग्रह को ISRO द्वारा PSLV-C54 के साथ 26 नवंबर, 2022 को आठ नैनो-उपग्रहों के साथ लॉन्च किया गया था।
- ◆ EOS-06 बड़ी हुई पेलोड क्षमता के साथ ओशनसैट-2 की निरंतर सेवाएं प्रदान करता है और चार पेलोड OCM, सी सरफेस टेम्परेचर मॉनिटर, Ku-बैंड स्कैटरोमीटर और ARGOS वहन करता है।
- ◆ EOS-06 के माध्यम से समुद्र विज्ञान, जलवायु और मौसम संबंधी अनुप्रयोगों में उपयोग करने के लिए समुद्र के रंग डेटा, समुद्र की सतह के तापमान और पवन वेक्टर डेटा का निरीक्षण करने की परिकल्पना की गई है।
- ◆ उपग्रह क्लोरोफिल, एसएसटी और हवा की गति तथा भूमि आधारित भू-भौतिकीय मापदंडों का उपयोग करके संभावित मछली पकड़ने के क्षेत्र जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों का भी समर्थन करता है।

अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट क्या हैं?

- ◆ पृथ्वी अवलोकन उपग्रह, सुदूर संवेदन तकनीक से लैस उपग्रह हैं। पृथ्वी अवलोकन पृथ्वी की भौतिक, रासायनिक और जैविक प्रणालियों के बारे में जानकारी एकत्र करना है।
- ◆ कई पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों को सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित किया गया है।
- ◆ ये अंतरिक्ष से पृथ्वी के अवलोकन के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, जिसमें जासूसी और नागरिक उपयोग जैसे सैन्य उपयोग, मौसम विज्ञान और कार्टोग्राफी शामिल हैं।



210, Virat Bhawan, 2nd Floor Near Post Office, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-09

Contact Us 9999516388, 8595638669